हिंदी विश्वविद्यालय में टी.एल.सी.एच.एस. परियोजना प्रारम्भ
केंद्रीय मंत्रालय की मिली स्वीकृति

वर्धा, 6 अप्रैल 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और नई पहल की है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने विश्वविद्यालय की 'टीचिंग लर्निंग सेंटर फॉर हिंदी स्टडीज' परियोजना को स्वीकृति दे दी है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के बारे में कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत विभिन्न विषयों जैसे शिक्षा, प्रबंधन, मनोविज्ञान और समाज कार्य को अध्ययन सामग्री, शिक्षण और आकलन के नए विकल्पों की खोज की जाएगी और उन्हें मुख्यधारा का अभ्यास बनाने का प्रयास किया जाएगा। भारतीय संदर्भ और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में पढाये जा रहे ज्ञानानुशासनों के लिए ऐसी पाठ्यचर्या रुप रेखा का विकास किया जाएगा जो एक ओर विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़े और उनमें भावी जीवन में सफलता के लिए आवश्यक कुशलताओं का भी विकास करें। परियोजना के अंतर्गत समयबध्द तरीके से हिंदी में अध्ययन सामग्रियों जैसे पाठ्यपुस्तक, हैण्डबुक,मोनोग्राफ, अनुवाद, शोध, नीतिगत दस्तावेज का विकास और संचयन किया जाएगा। भारत के लिए शिक्षा और भारत में सामाजिक विज्ञान के समकालीन मुद्यों और विषयों पर शोध और अध्ययन को बढ़ावा देने में यह परियोजना महत्वपूर्ण सिध्द होगी। इस दिशा में कार्य प्रारंभ करते इस परियोजना की कार्य समिति ने विद्यार्थियों में विकसित की जा सकनेवाली अपेक्षित कुशलताओं, वैकल्पिक और नवाचारी शिक्षणशास्त्र , आकलन के प्रासंग्रिक प्रारुपों और कसौटियों का निर्धारण करना प्रारंभ कर दिया है।